

国際日本学部の学生有志5名がインドの中学校にてICTを活用した教育実践を行い、その取り組みが現地の新聞（3紙）・テレビ（1社）に取り上げられました。

2015年3月16日から25日、国際日本学部岸磨貴子特任講師と学生有志5名は、明星大学の教員および学生と連携し、インドの最貧困地域であるビハール州ブダガヤ郊外の学校で、AR（拡張現実）技術を用いたフィールドミュージアムの構築に取り組みました。

本実践の目的は、次の3つです。ひとつは、世界遺産がある中心部だけではなく村落の地域を含むブダガヤそのものに、位置情報を含むARコンテンツを埋め込み、フィールドミュージアムを作ることです。これにより、村落地域への観光客誘致が可能が広がり、村の活性化につながると考えました。2つめは、村の子ども（中学生）がこの取り組みへの参画を通して、村の魅力を再発見できることです。3つめは、日本の大学生が地元の中学生と一緒にARコンテンツを制作することで、異文化の他者（地元中学生）の考えや価値観を知り、さらに、それらを考慮して異文化間の協働を自ら実践できるようになることです。

現地NPO法人Niranjana Public Welfare Trustの協力を得て、学生らは準備から実践、評価までの一連の活動を、教員らの支援のもと行いました（写真1-3）。

この取り組みは、日印双方の生徒・学生にとって意義が高く、また社会貢献にもつながるとして地元メディアで紹介されました。

बच्चों के स्किल बढ़ा रहे जापानी छात्र-छात्राएं

टोकियो के मेदनी युनिवर्सिटी के शिक्षक व छात्र-छात्राएं सातवीं के बच्चों को दे रहे तकनीकी शिक्षा
रोसवदना, चौरागवा



सुरती बच्चों को ट्रेनिंग देते जापानी छात्र-छात्राएं.

● फोटो: इरशाद खबर

जापान के टोकियो शहर स्थित मेदनी युनिवर्सिटी के शिक्षक माकिओ किची (पीएचडी) व ताकायुकी कोशी (पीएचडी) के निर्देशन में उनके साथ आये छात्र-छात्राओं द्वारा बकरौर गांव स्थित निरंजना वेल्फेयर सोसायटी के तत्वावधान में चले स्कूल में पढ़नेवाले सातवीं के छात्र-छात्राओं में स्किल डेवलपमेंट का प्रयास किया जा रहा है.

जापानी शिक्षक व स्टूडेंट्स द्वारा स्कूल की बच्चों को फोटोग्राफी सिखायी जा रहा है. फोटो संपादन कर इंटरनेट पर अपलोड करना बताया जा रहा है. बच्चों से बकरौर, सुवाता गांव व पड़ोसी गांवों में फोटोग्राफी करायी जा रही है. भारतीय संस्कृति से जुड़े स्थलों व वस्तुओं की फोटोग्राफी करा कर उनके बारे में विस्तृत जानकारी के साथ ऐसे फोटो नेट पर अपलोड कराये जा रहे हैं. साथ ही बच्चों को सिर्फ अंग्रेजी में ही बातचीत के लिए प्रेरित किया जा रहा है. शुक्रवार को निरंजना स्कूल परिसर में बच्चों को कम्पन पर पोटिस व कानन की तरह-

राह की आकृतियां बनाने के शुरू सिखाये गये. शिक्षक माकिओ किची ने बताया कि इससे बच्चों को तकनीकी ज्ञान के साथ ही सांस्कृतिक स्थलों की भी जानकारी मिलेगी. इनकी फोटोग्राफी कर बच्चे नेट पर अपलोड कर दुनिया को भी इससे अवगत करा सकेंगे. शिक्षक ताकायुकी ने बताया कि वह स्वयं भारतीय संस्कृति पर रिसर्च कर रहे हैं. ग्राम भ्रमण के अतिरिक्त बच्चों से भी उन्हें यहां की

संस्कृति को करीब से देखने-समझने का अवसर मिलेगा.

बच्चों से सीख रहे हैं हम भी

बातचीत के दौरान जापानी छात्र-छात्राओं ने कहा कि यहां के लोग अपने अतिथियों को भावाने के यत्न समझते हैं. छात्र शिपोरी हिरोशिमा व क्युशू को भी बताया कि स्वामी बच्चों से वे लोग भी सीख रहे हैं. उन्होंने बताया कि एक गांव में लोगों ने उनको काफी स्वागत किया. भोजन की तरह खाने रखा. ऐसा जापान में देखने को नहीं मिलता. जापानी दान में अन्य छात्र-छात्रा भी बच्चों के साथ अवसर में जुटे हैं. सोसायटी के अध्यक्ष विजय व निदेशक देवेंद्र धावठर ने बताया कि हर वर्ष जापानी छात्र-छात्राओं का दल यहां आता है व बच्चों के साथ कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अध्ययन-अभ्यास का कार्य होता है. स्कूल की छात्रा पूजा व छात्र चंदन कुमार ने बताया कि जापानी छात्र-छात्राओं के साथ रह कर काफी कुछ सिखने को मिला है. उन्हें लगता है कि इससे उन्हें काफी फायदे होंगे.

■ 22 को विशारद स्थापना दिवस,

कोर्ट नोटिस
न्यायालय भूमि सूचक उप कम्पली, टिकरी, (गवा)
दिनांक 20/03/2014
लखनेश्वरदास दास संख्या-24/सी/2014
नैतिक कानून
3. सुनील दास, पिता- रम-पवनदास सिंह,
5. निरंजना कुमारी देविदास कुमारी निवा चक्र-
भालदास सिंह ग्राम-गाररी, पो-नेरहा,
बान-बौर, जिला- गवा.
वै कर्जिसे नैतिक आयोग सूचित किया जाता है कि अतिरिक्त श्री लखनेश्वर प्रसाद दास निवा-
रम-चंद्र सिंह, ग्राम-गाररी, पो-नेरहा,
बान-बौर, जिला- गवा ने आयोग प्रेषित की
बनने हुए दिनांक 20/03/2014 को सूचित किया है.

कोर्ट नोटिस
न्यायालय, श्रीमान राजू 6 साब
पो गवा.
दिनांक 20/03/2014
पानुरम दास कौर..... कर्जिना
बनना
जापान सेवी उर्फ जगन्नाथ सेवी प्रतिवादी
अदातत नैतिक कानून
एवंद द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दास ने प्रतिवादी जगन्नाथ सेवी उर्फ जगन्नाथ सेवी निवा-
रम-चक्रमाता सेवी ग्राम बैथीगवा सेवेमुरा-
कानाटमारीजिला-गवा(बिहार)
आपके शिष्ट इत न्यायालय में उपरोक्त विवाद
वार्द लखित है अथ आयोग न्यायालय द्वारा एसी



以下、本実践に有志で参加した5名の学生の感想を紹介します。

・山谷芽生（国際日本学部 4年生）

現地の人の優しさや笑顔から、物やお金ではない豊かさを感じました。そして、ジェンダーや教育等の課題を実際見聞きしたことで、知り合った人や村の人がもっと幸せになるためには何が必要なのか、自分に出来ることは何なのか、を考えるようになりました。この経験を自分の糧にし、今後もインドへの理解をより深めて向き合っていきたいと思えます。

・岩見啓明（国際日本学部 2年生）

今、思い返して、真っ先に頭に浮かぶのは子どもたちの笑顔です。「写真撮って！」とせがんでくる笑顔、タブレット機器を触ったときの目を光らせた笑顔、みんなの前で発言した時の、誇らしさと照れの混じった笑顔...彼らがその笑顔を一生続けられるように、自分に出来ることは何だろうと考えました。変えなければいけない問題もたくさん見え、大好きになったインドという国に、これからも関わり続け、自分に出来ることを探して行きます。

・宇野舜（国際日本学部 2年生）

インドで行った活動を通して、私は教育の課題を目の当たりにしました。たとえば、優秀であっても女性という理由だけで大学に行けない子どもが多くいること、先生のやる気が全くない学校あること、良い環境の学校は高いからと止むを得ず通学している子供達が少ないことです。今回の活動を通して、ひとつでも自分にできることを増やし、継続的にインドの教育支援に関わりたいと強く感じる貴重な経験となりました。

・藤瀬由依（国際日本学部 2年生）

人のあたたかさや国境はないということに改めて気づかされたフィールドワークでした。今回、たくさんの先生方や学生達と交流したことで、自分の学生生活を内省するきっかけになりました。同時に「また彼らと共に何か協働したい！」という目標が持てました。今後、自分が大学生生活を通して何をしたいのかを見つける貴重な体験になりました。

・久保禎祐野（国際日本学部 2年生）

子どもたちと私たち、お互いに慣れない英語を主要言語としてのプロジェクトでしたが、痛感したことは、言葉はコミュニケーションツールのほんの一部でしかないことです。英語が上手く話せなくても、表情、口調、身振り手振り、絵など、あらゆる手段を使って、一生懸命伝えようとしていた仲間の姿が強く印象に残っています。専門分野の異なる他大学の学生と協働は、視野が広がり、とてもいい刺激になりました。三週間程滞在したブダガヤで得た経験を、今後の活動に生かしていきたいと思います。

なお、本活動の記録は下記のブログをご覧ください。

<http://ictedu.org/AR/>

【1：Prabhat Khabar紙】

<http://www.prabhatkhabar.com/>

2015年3月21日 6面

2015年3月19日と20日の2日間、日本の明治大学と明星大学の学生が、ビハール州のニランジャンスクール（Niranjana School）の7年生に対してタブレット端末やスマートフォンを活用した授業を行っていることが紹介されました。

【2：Live Hindustan紙】

<http://www.livehindustan.com/>

2015年3月22日 5面

ビハール州の国立学校（政府の学校）を訪問し子どもたちとの交流をおこなったことが掲載されました。

【3：Sanmarg紙】

<http://www.sanmarg.in/>

2015年3月23日 4面

ビハール州の州立学校（政府の学校）を訪問し子どもたちとの交流をおこなったことが掲載されました。